संपादकीय

श्रीलंका की लाचारी

श्रीलंका की स्थिति कहीं ज्यादा गंभीर है। समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यहां जरूरी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने पिछले दिनों अपनी लाचारी जताई। मुमकिन है कि यह उनका सियासी दांव हो, लेकिन उनके बयान ने देश को और भयभीत कर दिया है। विक्रिमसिंघे ने कहा कि श्रीलंका की स्थिति उससे कहीं ज्यादा गंभीर है, जितना आम तौर पर दुनिया को मालूम हो सका है। उनके मुताबिक श्रीलंका में समस्या सिर्फ यह नहीं है कि यहां जरूरी चीजों का अभाव है। बल्कि असल बात है कि देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। विक्रमसिंघे को प्रधानमंत्री बने सवा महीना गुजर चुका है। जाहिर है, देश के बेसब्र लोग उनसे जवाब मांग रहे हैं। तो ये जवाब उन्होंन इस रूप में दिया। उन्होंने रणनीति अपनाई कि अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाय लोगों की अपेक्षाएं गिरा दी जाएं, , ताकि दिक्कतों को दूर कर पाने की उनकी नाकामी पर लोग सवाल खड़े ना करें। हकीकत यही है कि बीते सवा महीने में भी स्थिति में तनिक भी सुधार नहीं हुआ है।

दरअसल, आर्थिक संकट का खराब असर अब मध्य वर्ग पर भी दिखने लगा है। गरीब तबकों के भुखमरी का शिकार होने की खबरें पहले से आ रही थीं। अब आंच मध्य वर्ग तक पहुंच गई है। खुद श्रीलंका के विशेषज्ञों ने कहा है कि मध्य वर्ग को इस समय ऐसा धक्का लगा है, जैसा पिछले तीन दशक में कभी नहीं हुआ। विशेषज्ञों के मुताबिक श्रीलंका की दो करोड़ 20 लाख आबादी का 15 से 20 फीसदी हिस्सा मध्य वर्ग में शामिल माना जाता है। अभी हाल तक इस तबके की जिंदगी आराम से कट रही थी। लेकिन अब उसे इस बात की भी चिंता करनी पड़ रही है कि रोज तीन बार भोजन का कैसे इंतजाम किया जाए। अगर मध्य वर्ग को इस तरह संघर्ष करना पड़ रहा है, तो कल्पना की जा सकती है कि कमजोर तबकों की हालत कितनी खराब होगी। गौरतलब है कि सरकारी आंकड़ों के मुताबिक देश में खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर 57 फीसदी तक पहुंच चुकी है। जरूरी चीजों का देश में अभाव है। खास कर पेट्रोलियम की कमी से सारी अर्थव्यवस्था अस्त-व्यस्त है। और इसके बीच प्रधानमंत्री खुद को लाचार बता रहे हैं। तो देश में लाचारी का कैसा भाव बना होगा, समझा जा सकता है।

ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा की साहसिक पारियों ने निकाला इंग्लैंड का दम

पहले दिन बनाए 338 रन

नईदिल्ली। शुक्रवार को एजबेस्टन टेस्ट की शुरुआत हुई तो पहला सत्र देखकर लगा कि भारतीय टीम यहां बिना तैयारी के ही पहुंच गई है. शुबमन गिल (17), चेतेश्वर पुजारा (13) और हनुमा विहारी (11) पहले सत्र के खेल में ही आउट हो गए थे. स्कोरबोर्ड पर अभी 64 रन ही थे. बारिश से खेल रुका तो अंपायरों ने लंच की घोषणा कर दी. इसके बाद दूसरे सत्र में भारतीय टीम और भी मुश्किल में दिखी. अब उसके सबसे बड़े बल्लेबाज विराट कोहली (11) भी आउट हो गए. इसके अलावा श्रेयस अय्यर (15) ने कुछ भरोसेमंद शॉट तो लगाए लेकिन वह भी जेम्स एंडरसन के अनुभव का शिकार हो गए.

सिर्फ 98 रन के स्कोर पर भारत ने 5 विकेट गंवा दिए. अब मुश्किल में फंसी टीम इंडिया का 150 रन तक पहुंचना में चुनौतीपूर्ण दिख रहा था और लग रहा था कि इंग्लैंड इस टेस्ट मैच को 3 दिन में ही अपने नाम कर 5 टेस्ट की सीरीज को 2-2 से बराबर कर देगा.

लेकिन वो कहते हैं न खेल अभी बाकी है. तो ऋषभ पंत ने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर यही बात अपने बल्ले की भाषा में इंग्लैंड को समझाई. बहुत देर तक तो इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को समझ ही नहीं आया कि आखिर करना क्या है. वह अपनी अटैकिंग क्रिकेट के वादे पर अड़ हुए थे और उन्होंने 4-4 स्लिप तैनात कर रखी थीं. लेकिन जब उन्होंने खेल को हाथ से जाते देखा तो फिर फीलि्डंग में बदलाव भी किया और स्लिप हटाकर फील्डरों को मैदान पर फैलाया भी.

लेकिन अब इंग्लैंड के नजरिए से यह खेल नहीं चल पा रहा था. रवींद्र जडेजा संयम दिखा रहे थे और ऋषभ पंत को उनका स्वाभाविक खेल खेलने की आजादी थी. पंत ने भी निराश नहीं किया. देखते ही देखते उन्होंने अपने टेस्ट करियर का 5वां शतक ठोक दिया.

स्कोरबोर्ड पर अब रन बरस रहे थे और इंग्लैंड विकेट को तरस रहा था. पंत ने 111 गेंदों की अपनी पारी में 20 चौके और 4 छक्कों की मदद से 146 रन बनाए. अंत में वह जो रूट की गेंद पर स्लिप में जैक क्राउली को कैच थमा बैठे. इस तरह छठे विकेट के लिए 222 की साझेदारी का अंत हुआ.

दिन का खेल खत्म होने तक शार्दुल ठाकुर (1) भी बेन स्टोक्स का शिकार बन गए. स्टंप्स के समय भारत का स्कोर 7 विकेट पर 337 रन था और रवींद्र जडेजा ने भी पंत के आउट होने के बाद अपनी रन गति को तेज कर दिया था. जडेजा 83 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं. अब उसने मैच के दूसरे दिन शतक जमाकर भारत को और मजबूत स्थिति में पहुंचाने की आस होगी.

महिला क्रिकेटरों को भी मिले पांच दिन का टेस्ट मैच

0-इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने की मांग

नईदिल्ली। इंग्लैंड महिला टीम की कप्तान हीथर नाइट ने महिला टेस्ट मैचों को पांच दिनों तक बढ़ाने की अपनी बात दोहराई है, क्योंकि मौसम ने टाउंटन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इंग्लैंड की जीत पर पानी फेर दिया. मैच के दौरान पूरे दिन का खेल लगभग समाप्त हो गया था. तीसरी बार इंग्लैंड का महिला टेस्ट पिछले 12 महीनों में मौसम से प्रभावित हुआ है. जिसके बाद सोशल मीडिया पर महिला क्रिकेट में पांच दिवसीय टेस्ट मैच शुरू करने की मांग की जाने लगी. ईशा गुहा समेत कई पूर्व खिलाडिय़ों ने इस बात का समर्थन किया.

कप्तान नाइट ने कहा, हमें अगले साल गर्मियों में एशेज टेस्ट मैच मिला है और उम्मीद है कि आईसीसी बोर्ड पांच दिन चुनने का विकल्प देगा और उम्मीद है कि ऐसा ही होगा.

नाइट ने आगे कहा, मुझे लगता है कि जब हम बहुत कम ही टेस्ट खेलते हैं, तो ये महत्वपूर्ण है कि इसके दिन बढ़ाया जाए. आंकड़ों के लिहाज से देखें तो ड्रॉ की संख्या बहुत कम है और महिला टेस्ट क्रिकेट में मुकाबले की कोशिश करना मुश्किल है, जब बहुत सारे मैच ड्रॉ में समाप्त हो जाते हैं.

दक्षिण अफ्रीका गुरुवार के अंतिम दिन में सात विकेट के साथ 78 रन से पीछे था. उन्होंने 43.1 ओवरों में दो सत्रों में केवल दो विकेट खोए, इससे पहले कि मेहमान टीम 48 रन से आगे थी.

किर्गियोस पर दर्शक की ओर थूकने के लिये लगा 10 हजार डॉलर का जुर्माना

विंबलडन | आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी निक किर्गियोस पर विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में पहले दौर की जीत के दौरान खेल भावना के विपरीत आचरण करने के लिये 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। यह टूर्नामेंट में अभी तक घोषित किया गया सबसे बड़ा जुर्माना है। किर्गियोस ने इस पहले दौर के मैच के बाद हुई प्रेस कांफ्रेंस में स्वीकार किया था कि उन्होंने परेशान कर रहे दर्शक की ओर थूका था। आल इंग्लैंड क्लब ने मैच के दौरान लगे जुर्माने की राशि की घोषणा की। किर्गियोस के बाद एलेक्जेंडर रिट्सचार्ड पर 5,000 डॉलर का जुर्माना लगा गया जो क्वालीफाइंग में पहले दौर के मैच के दौरान उनके खेल भावना के खिलाफ आचरण के लिये लगा था। सात अन्य खिलाडिय़ों पर तीन-तीन हजार डॉलर का जुर्माना लगाया गया जो खेल भावना के विपरीत आचरण या फिर अश्लील शब्द कहने के लिये लगाया गया। कुल पांच महिला खिलाडिय़ों पर जुर्माना लगाया जा चुका है।

500 रुपए के नोट को लेकर आरबीआई सख्त, बैंकों को जारी किए अहम निर्देश

नई दिल्ली । आज के समय में 500 रुपए का नोट हर किसी के पास होता है, लेकिन वह नोट बाजार में चलने लायक है या नहीं यह बड़ा सवाल है। ऐसा इसलिए क्योंकि नोटबंदी के बाद से फेक करेंसी और नोटों को लेकर कई तरह की खबरें सामने आ रही हैं। इसी के मद्देनजर भारतीय रिजर्व बैंक ने 500 रुपए के नोट को लेकर एक बयान जारी किया है।

आरबीआई ने बैंकों से कहा है कि वे हर तीन महीने में सटीकता और स्थिरता के लिए अपनी नोट छंटाई मशीनों का टेस्ट करें। यह सुनिश्चित करें कि प्रिटेंड नोट तय मापदंडों के अनुसार हैं या नहीं। आरबीआई ने नोटों की सही कंडीशन के लिए 11 मानक निर्धारित किए हैं। साथ ही बैंकों को नोट सॉर्टिंग मशीनों के बजाय नोट फिट सॉर्टिंग मशीनों का उपयोग करने का निर्देश दिया है।

आरबीआई ने अपने सर्कुलर में कहा कि एक फिट नोट वह होता है जो जेन्यूइन हो, क्लिर यानी साफ सुथरी हो ताकि इसके वैल्यु का आसानी से पता लगाया जा सके और जो रीसाइक्लिंग के लिए उपयुक्त हो। अनफिट नोट वह है जो अपनी फिजिकल कंडीशन के कारण रीसाइक्लिंग के लिए उपयुक्त नहीं है। कई अनफिट नोट चेन ऐसे हैं जिसे भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा फेजवाइज समाप्त कर दिया गया है।

आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया कि नोट प्रोसेसिंग मशीन/नोट सॉर्टिंग मशीन समय-समय पर प्रामाणिकता की जांच करेगी। कोई भी नोट जिसमें असली नोट की सभी विशेषताएं नहीं पाई जाती हैं, उसे मशीन द्वारा संदिग्ध/अस्वीकार के रूप में क्लासिफाइड किया जाएगा। इसके अलावा, सर्कुलर के अनुसार, बैंकों को हर तीन महीने में करेंसी नोटों की फिटनेस रिपोर्ट आरबीआई को भेजनी होगी। बैंकों को अनुपयुक्त पाए गए नोटों की संख्या और उचित मेंटेनेंस के बाद फिर से जारी किए जा सकने वाले नोटों के बारे में आरबीआई को सूचित करना होगा।

बाजार में गिरावट के बावजदू अडानी-अंबानी हुए मालामाल

0 टाटा-बिड़ला जैसे पुराने बिजनेमैन की घटी दौलत

नई दिल्ली । साल 2022 का छह महीना निकल गया। इन छह महीनों में शेयर बाजार में भारी उतार चढ़ाव नजर आया। 2022 के पहले छह महीनों में बाजारों में दो अंकों की गिरावट देखी गई है। बेंचमार्क निफ्टी 50 और सेंसेक्स इस साल अब तक 11त्न से ज्यादा गिर चुके हैं। यानी, पिछला छह महीना शेयर बाजार के निवेशकों के लिए निराशाजनक रहा। निवेशकों के लाखों-करोड़ों रुपये डूब गए। इस दौरान लेकर टाटा, बिड़ला, महिंद्रा समेत पुराने बिजनेस घरानें में में और भी बड़ी गिरावट देखी गई। इस साल केवल दो कारोबारी परिवार ही आगे बढऩे में कामयाब रहे हैं, वे हैं अंबानी और अडानी। जी हां..मुकेश अंबानी और गौतम अडानी ऐसे बिजनेसमैन हैं, जिन्हें पिछले छह महीने में गिरते बाजारों में जबरदस्त मुनाफा हुआ है।

फायदे में अंबानी और अडानी

गिरते बाजार के बावजदू मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस के शेयर हरे रंग में रहने में कामयाब रहे। पिछले छह महीने में रिलायंस के शेयरों में मामूली 2प्रतिशत बढ़ोतरी हुई। वहीं, गौतम अडानी की सातों लिस्टेड कंपनियां 38प्रतिशत लाभ में रहे। वहीं, इस साल विप्रो के शेयरों अब तक भारी गिरावट देखने को मिली है। जबकि इसके प्रतिद्वंद्वियों टीसीएस और इंफोसिस में भी इस साल गिरावट आई है। हालांकि, विप्रो की तुलना में टीसीएस और इंफोसिस ने काफी बेहतर प्रदर्शन किया है।

टाटा ग्रुप की कंपनियों का वैल्यूएशन सबसे ज्यादा

अगर कंपनियों की वैल्यूएशन देखा जाए तो टाटा ग्रुप की कंपनियों ने बाजी मारी है। टाटा ग्रुप देश में सबसे मूल्यवान बनी हुई हैं, जिसका कुल मार्केट कैप लगभग ?20 लाख करोड़ है, जबकि मुकेश अंबानी की रिलायंस लगभग ?18 लाख करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं, गौतम अडानी की सात कंपनियां बजाज, बिड़ला और प्रेमजी से अधिक वैल्यूएबल हैं।

वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने इस तेल कंपनी में खरीदी 17.4प्रतिशत हिस्सेदारी, 90.9 लाख शेयरों में हुई डील

नई दिल्ली । वॉरेन बफेट की कंपनी बर्कशायर हैथवे इंक ने तेल कंपनी ऑकिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प के साथ एक बड़ी डील की है। कंपनी ने ऑकिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प के 9.9 मिलियन (90.9 लाख) शेयर खरीद लिए हैं। बर्कशायर हैथवे इंक ने कहा कि उसने ऑकिडेंटल पेट्रोलियम कॉर्प के 9.9 मिलियन शेयर खरीदे हैं, जिससे उसे तेल कंपनी में 17.4प्रतिशत हिस्सेदारी मिल गई है।

582 मिलियन डॉलर में हुई डील

अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग को दी गई जानकारी के अनुसार, बर्कशायर ने शेयरों के लिए लगभग 582 मिलियन डॉलर का भुगतान किया, जिसे उसने बुधवार और शुक्रवार के बीच खरीदा था। बफेट की कंपनी ऑक्सिडेंटल की सबसे बड़ी शेयरधारक है, जिसके पास अब लगभग 9.9 बिलियन डॉलर मूल्य के 163.4 मिलियन शेयर हैं।

इस साल तेजी से बढ़े हैं ऑक्सिडेंटल के शेयर - बर्कशायर के पास 5 बिलियन डॉलर में अन्य 83.9 मिलियन ऑक्सिडेंटल शेयर खरीदने का वारंट भी है। ऑक्सिडेंटल के शेयर की कीमत इस साल दोगुने से अधिक हो गई है। रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद बर्कशायर की खरीद के साथ-साथ तेल की बढ़ती कीमतों से लाभ हुआ है।

आज का राशिफल

मेष: मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। किसी भी तरह के हालात को क़ाबू में रखने के लिए इस रफ़्तार को बरक़रार रखिए।

वृष: अपना धैर्य न खोएं, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। आज आप अपना धन धार्मिक कार्यों में लगा सकते हैं जिससे आपको मानसिक शांति मिलने की पूरी संभावना है।

मिथुन: आपका उदार स्वभाव आज आपके लिए कई ख़ुशनुमा पल लेकर आएगा। अपने लिए पैसा बचाने का आपका ख्याल आज पूरा हो सकता है। आज आप उचित बचत कर पाने में सक्षम होंगे।

कर्क: धैर्य बनाए रखें, क्योंकि आपकी समझदारी और प्रयास आपको सफलता ज़रूर दिलाएंगे। यह बात भली भांति समझ लें कि दुख की घड़ी में आपका संचित धन ही आपके काम आएगा।

सिंह: आज के दिन आप काम को अलग रखकर थोड़ा आराम करें और कुछ ऐसा करें जिसमें आपकी दिलचस्पी हो। माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में क़ामयाब रहेंगे।

कन्या: आपका विनम्र स्वभाव सराहा जाएगा। कई लोग आपकी ख़ासी तारीफ़ कर सकते हैं। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें खऱीदना आसान होगा।

तुला: आपकी उम्मीद एक महक से भरे हुए ख़ूबसूरत फूल की तरह खिलेगी। आपका बचाया धन आज आपके काम आ सकता लेकिन इसके साथ ही इसके जाने का आपको दुख भी होगा।

वृश्चिक: आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। रियल एस्टेट संबंधी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे।

वृश्चिक: आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे।

धनु: अपने आप पर एक सीमा के बाद दबाव न डालें और पर्याप्त आराम लें। आप ख़ुद को नए रोमांचक हालात में पाएंगे, जो आपको आर्थिक फ़ायदा पहुंचाएंगे। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं।

मकर: अपनी ऊर्जा का इस्तेमाल किसी मुश्किल में फंसे इनसान की मदद करने के लिए करें। याद रखें यह शरीर तो एक-न-एक दिन मिट्टी में मिलने वाला है, अगर यह किसी के काम न आ सके, तो इसका क्या फ़ायदा?

कुंभ: लंबी यात्रा के लिहाज़ से आपने सेहत और ऊर्जा-स्तर में जो सुधार किए हैं, वे काफ़ी फ़ायदेमंद रहेंगे। व्यस्त दिनचर्या के बावजूद आप थकान के चंगुल में फंसने से बचे रहेंगे।

मीन: घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको ग़ुस्सैल बना सकता है। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। हालात को क़ाबू में रखने के लिए अपने भाई की मदद लें। विवाद को ज़्यादा तूल देने की बजाय उसे दोस्ताना तरीक़े से हल करने की कोशिश करें।

साथ निभाना साथिया 2 की स्टार कास्ट में शामिल हुईं दीपाली सैनी

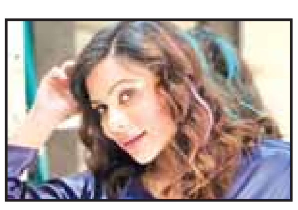

हाल ही में साथ निभाना साथिया 2 की स्टार कास्ट में शामिल हुईं अभिनेत्री दीपाली सैनी अपनी भूमिका को लेकर काफी उत्साहित हैं। अभिनेत्री का कहना है कि यह पहले की भूमिका से बहुत अलग है। मेरे चरित्र का नाम शकुंतला उर्फ शकुनि है।

शो में मैं एक नकारात्मक और व्यंग्यात्मक हास्य भूमिका निभा रही हूं। यह मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण है, आध्यात्मिक, पारिवारिक नाटक करने और एक नर्डी कैरेक्टर निभाने से, अब मैं एक नेगेटिव कैरेक्टर की भूमिका निभा रही हूं। यह एक बहुत बड़ा बदलाव है। चरित्र, शकुंतला, बहुत ही ग्लैमरस और आकर्षक है और इसके लिए, मुझे हर दिन फिट रहना और कसरत करना है और 24/7 डाइट पर रहना है।वह कहती हैं, हम सभी को महाभारत में शकुनि से मिलवाया गया है। इसलिए, यह और अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाता है, क्योंकि मेरा लक्ष्य महाभारत में शकुनि के रूप में अपने चरित्र को उल्लेखनीय बनाना है। शो में अपने लुक के बारे में बात करते हुए वह कहती हैं, मेरा लुक काफी ग्लैमरस और गुड लुकिंग है, जो वास्तविक जीवन के करीब है। लेकिन जिस तरह से शकुंतला सोचती है और प्रतिक्रिया करती है, वह वास्तव में वास्तविक जीवन में जो है, उसके विपरीत है। मेरी भूमिका कुल्फी कुमार बाजीवाला में बहुत अच्छा था, यह एक हास्य और गूंगा चरित्र था और दूसरी ओर, साथ निभाना साथिया 2.0 में शकुंतला एक बहुत ही स्मार्ट, तेज, शैतानी किरदार है।

सच्ची घटनाओं पर आधारित अम्मू अबिरामी स्टारर कुधुकलम

अभिनेत्री अम्मू अबिरामी वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित फिल्म उलगनाथन चंद्रशेखरन की कुधुकलम में महिला प्रधान भूमिका निभा रही हैं। फिल्म की यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि कुधुकलम, जो निमार्णाधीन है, तिरुपुर में घटी घटनाओं पर आधारित है, जिसे परिधान उत्पादन के लिए दुनिया भर में जाना जाता है। फिल्मी सूत्र का कहना है, फिल्म की ज्यादातर शूटिंग तिरुपुर में हुई हैरैट एंड कैट पिक्च र्स के लिए एम सुहिनबाबू द्वारा निर्मित, यह फिल्म एक युवा के संघर्ष के बारे में होगी जो अपने पिता से किए गए वादों को पूरा करना चाहता है। काकी सत्ताई और एथिर नीचल जैसी फिल्मों में दुरई सेंथिलकुमार के सहायक निर्देशक के रूप में काम कर चुके उलगनाथन चंद्रशेखरन ने कोडी और पट्टस जैसी फिल्मों में सह-निर्देशक के रूप में भी काम किया है।

घर पर बनाएं 'मटर ढोकला'

ढोकला, गुजरात की बहुत ही मशहूर डिश है जिसे वहां कई अलग-अलग तरीकों से बनाया जाता है। उन्हीं में से एक है मटर ढोकला, तो आइए आज जानते हैं इसकी रेसिपी।

सामग्री :

पिसी हुई मटर (प्यूरी)- 1 कप, बेसन- 1 कप, सूजी/रवा- 2 बड़े चम्मच, अदरक और हरी मिर्च का पेस्ट- 1 छोटा चम्मच, पिसी शक्कर- 1 बड़ा चम्मच, नींबू का रस- 1 छोटा चम्मच, पनीर- 1/2 कप, फ्रूट सॉल्ट- 1 1/2 छोटे चम्मच, नमक

तड़के के लिए- तेल- 2 बड़े चम्मच, राई- 1 छोटा चम्मच, उड़द दाल- 1 छोटा चम्मच, हरी मिर्च- 1 छोटा चम्मच कटी हुई, हींग- चुटकी

विधि :

- बाउल में बेसन, सूजी, हरी मिर्च, पनीर, पिसी चीनी, अदरक, नींबू का रस ये सारी चीज़ें डालकर मिक् करें। फ्रूट सॉल्ट को अभी नहीं डालना है।
- आधा कप पानी डालकर मिक्सचर को अच्छी तरह से मिलाएं। घोल बहुत पतला भी नहीं बनाना है और न ही बहुत गाढ़ा रखना है।
- बनाने से पहले इसमें फ्रूट सॉल्ट डालें और दो चम्मच पानी। ढोकला बनाने वाले बर्तन को तेल, घी या मक्खन लगाकर चिकना कर लें। अब इस बर्तन में ढोकले का मिश्रण डालना है। कुकर या ब्वॉलर में पानी गर्म होने के लिए रखें। जैसे ही ये उबलने लगे इस पर ढोकले वाला बर्तन रखकर कम से कम 12-15 मिनट तक ढककर भाप में पकाएं।
- टाइम पूरा हो जाने के बाद इसे निकालकर हल्का ठंडा होने दें। तड़का पैन में तेल गर्म करें। इसमें राई, उड़द दाल, हरी मिर्च और हींग तड़काएं। कुछ सेकेंड चलाने के बाद दो चम्मच पानी डाल दें। इस तड़के को ढोकले के ऊपर डालना है। इसके बाद कटी हरी धनिया और मसला हुआ पनीर डालें। पीसेज में काटकर सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 121

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

1		2	■	3		4	■	5
	■	6			■	7		
8		9	■	10	11		■	
■		■	■		■	■		■
12		13	■	14		15	■	16
	■	17		■	■	18		
19	20		■	21	22		■	
■		■			■		23	
24			■	25			■	

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 120 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

सू-दोकू- 121

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र[illegible] सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.120 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6